

## LIVRE IV.

Sloka	Vers	Au lieu de :	lisez :
53	2	स्थितयो.....	स्थितयो
169	2	प्रतापोदरदां.....	प्रतापो दरदां
132	2	१३२.....	२३२
393	2	चक्रमर्दिका.....	चक्रमर्दिका
452	2	जयापीडे.....	जयापीडो
492	2	विद्वद्भुर्भिन्नमभवद्ययान्य..	विद्वद्भुर्भिन्नमभवद्यथान्य
511	2	जयदत्तोव्यधान्मठं.....	जयदत्तो व्यधान्मठं
522	2	तांस्तानू.....	तांस्तान्
529	2	किलेक्पद.....	किलेक्पद
590	2	विजज्ञा.....	विजयो
592	2	महापद्य.....	महापद्य
674	1	विभ्रत्.....	विभ्रत्

## LIVRE V.

17	1	हर्षान्निर्गोत्र.....	हर्षान्निर्गोत्र
39	2	क्रमवत् तु प्रदेशस्थो.....	क्रमवत्तुप्रदेशस्थो
41	1	शुद्धान्वया.....	शुद्धान्वया
77	2	विहितवृत्तिः.....	विहितवृत्तिः
175	1	दण्डादिधसंग्रहैः.....	दण्डादिसंग्रहैः
207	1	ऽयमाययोचितो.....	ऽयमार्योचितो